राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने बख्तियारपुर (पटना) में संस्थापित राज्य के पाँच स्वतंत्रता–सेनानियों की आदमकद प्रतिमाओं का लोकार्पण किया

पटना, 17 जनवरी 2021

''हमारे महान देश भारत को कठिन संघर्ष, त्याग और अनुपम बलिदानों के बल पर अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। स्वतंत्रता–आन्दोलन के स्वर्णिम इतिहास में 'भारत छोड़ो आन्दोलन' की गौरवशाली गाथा रही है। इस आन्दोलन ने भारतीय स्वतंत्रता–संग्राम की सफलता सुनिश्चित की थी।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने पटना जिला के अन्तर्गत बख्तियारपुर में भवन निर्माण विभाग द्वारा संस्थापित राज्य के पाँच अमर शहीदों एवं देशभक्त स्वतंत्रता–सेनानियों की आदमकद प्रतिमाओं के लोकार्पण–समारोह में आज व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि हमारा महान देश भारत और गौरवशाली प्रदेश बिहार आज तेजी से प्रगति कर रहा है। यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। बिहार भी विकास के पथ पर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह जरूरी है कि हम अपने पूर्वजों की गौरवशाली विरासत को भी याद रखें। उनकी कीर्ति–रश्मियाँ हमारा पथ आलोकित करती रहेंगी और हम अपने प्यारे भारत देश और बिहार के नवनिर्माण में लगे रहेंगे।

राज्यपाल श्री चौहान ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय स्वतंत्रता–संग्राम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में रहते हुए जमीनी स्तर पर कार्य करनेवाले एवं आन्दोलन को शक्ति और गति प्रदान करने वाले स्वतंत्रता–सेनानियों की प्रतिमाओं को स्थापित कर समाज की नयी पीढ़ी के समक्ष राष्ट्रीयता के आदर्शों को प्रस्तुत करते हुए बिहार सरकार द्वारा राज्यवासियों को देशभक्ति एवं समाज–सेवा की पावन भावना की ओर अभिप्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि सबमें राष्ट्रीय एकता, सद्‌भावना और सामाजिक समरसता की भावना विकसित हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि अगस्त में 1942 का जो आन्दोलन भारत में गाँधी जी की नजरबंदी से शुरू हुआ, उसका विस्तार बिहार में भी देखा गया और पटना से सटे बख्तियारपुर का इलाका भी इससे अछूता नहीं रहा। देशभक्तों की टोली यहाँ भी उतने ही जोश और उमंग के साथ थी, जितना देश के किसी अन्य हिस्से में।

राज्यपाल ने उन सभी पाँचों स्वतंत्रता–सेनानियों, जिनकी आदमकद प्रतिमाओं का आज लोकार्पण किया गया, का पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें अपना सादर नमन निवेदित किया।

आज जिन पाँच स्वतंत्रता–सेनानियों की प्रतिमाओं को बख्तियारपुर में विभिन्न स्थलों पर संस्थापित किया गया है, को राजभवन से वर्चुअल रूप में विडियो क्रॉन्फ्रेन्सिंग के जरिये लोकार्पित करते हुए, महामहिम राज्यपाल ने उनकी सामाजिक–राजनीतिक सेवाओं का विस्तारपूर्वक उल्लेख करते हुए कहा कि सभी पाँचों प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी–पं॰ शीलभद्र याजी, शहीद मोगल सिंह, शहीद नाथून सिंह यादव, स्व॰ डूमर सिंह एवं स्व॰ कविराज रामलखन सिंह ने आजादी की लड़ाई में अनुपम त्याग, बलिदान और देशभक्ति का परिचय दिया।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि महान स्वतंत्रता–सेनानी स्व॰ पं॰ शीलभद्र याजी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के निकट के सहयोगी थे। स्व॰ कविराज रामलखन सिंह ने 'साइमन कमीशन' के विरोध, 'नमक सत्याग्रह आन्दोलन', 'भारत छोड़ो आन्दोलन' आदि के दौरान काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार स्व॰ कविराज रामलखन बाबू के ही सुयोग्य पुत्र हैं, जो आज राज्य की भरपूर सेवा कर रहे हैं। शहीद मोगल सिंह, शहीद नाथून सिंह यादव एवं स्व॰ डूमर सिंह द्वारा आजादी की लड़ाई के दौरान किए गये संघर्ष एवं अंग्रेजी सल्तनत के प्रतिरोध का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इन सभी पाँचों स्वतंत्रता–सेनानियों ने अपने जीवन के कई वर्ष कारावास एवं भूमिगत अवस्था में बिताए थे तथा भारत की आजादी की लड़ाई को ताकत एवं गति दी थी।

राज्यपाल ने कार्यक्रम के दौरान राजभवन से ही वीडियो–क्रान्फ्रेन्सिंग के जरिये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बख्तियारपुर में लगी स्व॰ पं॰ शीलभद्र याजी, प्रखण्ड कार्यालय परिसर, बख्तियारपुर में लगी शहीद मोगल सिंह, न्यू बाईपास रोड, राघोपुर, बख्तियारपुर में लगी शहीद नाथून सिंह यादव, श्री गणेश उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर, बख्तियारपुर में लगी स्व॰ डूमर सिंह एवं डाकबंगला परिसर, बख्तियारपुर में लगी स्व॰ कविराज रामलखन सिंह की प्रतिमाओं को लोकार्पित किया तथा राजभवन में सभी पाँचों स्वतंत्रता–सेनानियों की तस्वीरों पर माल्यार्पण भी किया।

कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, माननीय भवन निर्माण मंत्री श्री अशोक चौधरी आदि ने भी पाँचों स्वतंत्रता–सेनानियों की तस्वीरों पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें अपना नमन निवेदित किया।

कार्यक्रम में स्वागत–भाषण भवन निर्माण मंत्री श्री अशोक चौधरी ने किया जबकि धन्यवाद–ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया। माननीय मुख्यमंत्री ने धन्यवाद–ज्ञापन के क्रम में कहा कि बापू ने एकजुटता, प्रेम और सद्भावना का संदेश देशवासियों को दिया था। उन्होंने कहा कि हरेक व्यक्ति को एक दूसरे के प्रति सम्मान और इज्जत का भाव रखते हुए देश और समाज की बेहतरी के लिए अपना पूरा योगदान देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर में पाँचों स्वतंत्रता–सेनानियों के प्रतिमा–संस्थापन के लिए भवन निर्माण विभाग को धन्यवाद दिया तथा इनके लोकार्पण के लिए महामहिम राज्यपाल के प्रति भी अपनी कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने नयी पीढ़ी से स्वतंत्रता–सेनानियों के अनुपम त्याग और बलिदान से प्रेरणा ग्रहण करने की भी अपील की।

कार्यक्रम में भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि द्वारा महामहिम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, माननीय भवन निर्माण मंत्री सहित आगत अतिथियों को पौधे एवं पुस्तक भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, राज्यपाल के सचिव श्री रॉबर्ट एल॰ चोंग्थू, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार आदि भी उपस्थित थे।

.....